

## Padma Shri



### **SMT. TAKDIRA BEGAM**

Smt. Takdira Begam is an artisan of Kantha embroidery from Birbhum District of West Bengal.

2. Born on 13<sup>th</sup> November, 1953, Smt. Begam did her schooling from Bhedia Girls' High School. As she belonged to a poor family, she was not able to continue with her further studies. She utilized her leisure time working with needle and thread and having a keen interest in the same, she continued doing so at her in-law's house also.

3. Kantha hand embroidery changed Smt. Begam's way of living. She used to directly draw the design on the cloth by means of pencil and then work on that with needle and thread. Later she started making designs on tracing paper and then transferring the same onto the desired product and finally doing the threadwork.

4. Smt. Begam has dedicated her entire work to Central Cottage Industries Emporium which is an undertaking of Ministry of Textiles, Government of India. She also works with the Taj Hotel Group, Paramparik Karigar and Dastkar which demonstrates her Kantha Work.

5. For the last 30 years, Smt. Begam has been imparting regular training to the rural women and girls living in and around her village. Till date she has trained almost 250 to 300 craftsperson of younger generation. The rural women are also reaping the benefits from her training as most of them have already become self-sufficient to support their family expenditure and also came out of their debt traps.

6. Smt. Begam has also received many certificates for participating in workshops like The Chhatrapati Shivaji Maharaj Vastu Sangrahalaya in Mumbai, Kamla Raheja Vidyanidhi Institute for Architecture in Mumbai, Sophia College for women, Mumbai and also in IITC, Mumbai. Her other participations include The Special Exhibition for Celebration of Golden Jubilee of Indian Independence held at Dilli Haat, New Delhi in 1997; The Indian Handicrafts and Gift Fair, Greater Noida in 2014; Banga Sanskrit Utsav, Kalyani, West Bengal in 2007 and Design and Technical Development Workshop Project in 2013. She has also attended many national and international exhibitions such as Dubai Festival in Dubai (2002), AFL Artigiano In Fiera, Italy (2006), Budapest International Fair, Hungary (2010) and the 4<sup>th</sup> Indexpo Muscat (2011). Apart from this, every year she participates in Handicrafts Exhibitions such as The Master creation Exhibition, Paramparik Karigar Exhibition and Dastakar Exhibition, New Delhi.

7. Smt. Begam has received many awards and rewards for her flawless beautiful hand work and designs and has also been credited with many citations from various government and non-government organizations. She received the State Award in 1995-1996 and The National Merit Certificate in 1995; Government of India conferred on her the National Award Certificate in 1996 and The Shilp Guru Award in 2009.

## पद्म श्री



### श्रीमती तकदीरा बेगम

श्रीमती तकदीरा बेगम पश्चिम बंगाल के बीरभूम जिले की कांथा कढ़ाई की कारीगर हैं।

- 13 नवंबर, 1953 को जन्मी श्रीमती बेगम ने अपनी स्कूली शिक्षा भेड़िया गर्ल्स हाई स्कूल से की। वह एक गरीब परिवार से थीं, इसलिए वह अपनी आगे की पढ़ाई जारी नहीं रख सकीं। वह अपने खाली समय का प्रयोग सुई-धागे से काम करने में करती थी और गहरी रुचि होने के कारण वह इस काम को अपने ससुराल में भी करने लगीं।
- कांथा हाथ की कढ़ाई ने श्रीमती बेगम के जीवन जीने के तरीके को बदल दिया। वह सीधे पेंसिल से कपड़े पर डिजाइन बनाती थीं और फिर सुई-धागे से उस पर काम करती थीं। बाद में वह ट्रेसिंग पेपर पर डिजाइन बनाने लगीं और फिर उसे मनचाहे उत्पाद में बदलने लगीं और सबसे अंत में उस पर धागे का काम किया करती थीं।
- श्रीमती बेगम ने अपना पूरा काम सेंट्रल कॉटेज इंडस्ट्रीज एम्पोरियम को समर्पित किया है जो भारत सरकार के वस्त्र मंत्रालय का एक उपक्रम है। वह ताज होटल समूह, पारंपरिक कारीगर और दस्तकार के साथ भी काम करती हैं जो उनके कांथा कार्य को प्रदर्शित करते हैं।
- पिछले 30 वर्षों से श्रीमती बेगम अपने गांव और उसके आसपास रहने वाली ग्रामीण महिलाओं और लड़कियों को नियमित प्रशिक्षण दे रही हैं। अब तक वह युवा पीढ़ी के लगभग 250 से 300 शिल्पकारों को प्रशिक्षित कर चुकी हैं। ग्रामीण महिलाएं भी उनके प्रशिक्षण से लाभ उठा रही हैं। इनमें से ज्यादातर महिलाएं आत्मनिर्भर हो गई हैं। वे अपने परिवार के खर्च में हाथ बंटाती हैं और कर्ज के जाल से भी बाहर आ गई हैं।
- श्रीमती बेगम को मुंबई के छत्रपति शिवाजी महाराज वास्तु संग्रहालय; मुंबई के कमला रहेजा विद्यानिधि इंस्टीट्यूट फॉर आर्किटेक्चर; सोफिया कॉलेज फॉर वुमेन, मुंबई और आईआईटीसी, मुंबई में आयोजित कार्यशालाओं में भाग लेने के लिए कई प्रमाणपत्र भी प्राप्त हुए हैं। उन्होंने 1997 में दिल्ली हाट, नई दिल्ली में आयोजित भारतीय स्वतंत्रता के स्वर्ण जयंती समारोह की विशेष प्रदर्शनी; 2007 में बंग संस्कृत उत्सव, कल्याणी, पश्चिम बंगाल, 2013 में डिजाइन और तकनीकी विकास कार्यशाला परियोजना और 2014 में भारतीय हस्तशिल्प और उपहार मेला, ग्रेटर नोएडा में भी भाग लिया। उन्होंने दुबई में दुबई महोत्सव (2002); एएफएल आर्टिगियानो इन फिएरा, इटली (2006); बुडापेस्ट अंतरराष्ट्रीय मेला, हंगरी (2010) और चौथा इंडेक्सपो मस्कट (2011) जैसी कई राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शनियों में भी हिस्सा लिया है। इसके अलावा, वह हर वर्ष द मास्टर क्रिएशन एग्जिबिशन, पारंपरिक कारीगर प्रदर्शनी और दस्तकार प्रदर्शनी, नई दिल्ली जैसी हस्तशिल्प प्रदर्शनियों में शामिल होती हैं।
- श्रीमती बेगम को अपने श्रेष्ठ और सुंदर हाथ के काम और डिजाइन के लिए कई पुरस्कार प्राप्त हुए हैं और उन्हें विभिन्न सरकारी और गैर-सरकारी संगठनों से कई प्रशंसा-पत्र भी मिले हैं। उन्हें 1995-1996 में राज्य पुरस्कार और 1995 में राष्ट्रीय योग्यता प्रमाणपत्र प्राप्त हुआ। भारत सरकार ने उन्हें 1996 में राष्ट्रीय पुरस्कार प्रमाणपत्र और 2009 में शिल्प गुरु पुरस्कार से सम्मानित किया।